धर्म प्रचारक तैयार करने हेतु परीक्षा पत्र

बीतक साहब

समय- ३ घण्टे पूर्णांक- १००

उत्तिर्णांक-६०

प्रश्न क्रमांक १. नीचे दिये गये प्रश्नों में से पांच प्रश्नों का संक्षिप्त उत्तर दीजिये।

क. ता ऊपर औरंगजेब, ए कलियुग के नाम।
आगे अवतार होएगा, बुद्ध कलंकी इस ठाम।।

क्या श्री प्राणनाथ जी का स्वरूप भी भगवान विष्णु के २४ अवतारों में से एक है ?यदि नहीं तो चौपाई के तीसरे चरण में अवतार शब्द का प्रयोग क्यों किया गया है ?स्पष्ट कीजिए।

ख. श्री कुलजम स्वरूप (तारतम वाणी) श्री मिहिरराज जी के तन से उतरी और मूल बीतक श्री लालदास जी के द्वारा लिखी गयी, परन्तु इन दोनों ग्रन्थों में महामति की छाप है। इसका क्या कारण है ?

ग. इन भांत एक दिन, हुआ ध्यान में दरसन।
जाने हम ब्रज में गये, द्वार नन्द के रोसन।।

बांके बिहारी के बागे वस्त्रों की सेवा अथवा ध्यान करने से श्री देवचन्द्र जी को राज जी का दर्शन हुआ। इसलिये हमें भी ऐसा करना चाहिए। यदि नहीं तो क्यों नहीं ?

घ. सम्वत सोलह सौ पचहतरा, भादो वदि चौदस नाम।
प्रथम जाम और वार रवि, प्रगटे धनी श्री धाम।।

श्री राज जी ने वि.सं. १६७८ में श्यामा जी को दर्शन देकर उनके हृदय में विराजमान होकर जागनी कार्य प्रारम्भ किया, परन्तु इस चौपाई के चौथे चरण में (संवत १६७५) में प्रगटे धनी श्री धाम का क्या तात्पर्य है ?

ङ. श्री मिहिरराज जी एवं गोवर्धन जी के साथ कान्ह जी से हुए सवाल जवाब को संक्षिप्त में प्रस्तुत कीजिये।

च. ''श्री इन्द्रावती जी की परआत्म धाम दरवाजे पर रो रही है'' इसका क्या आशय है ?पूर्ण विवरण दीजिये।

छ. लक्ष्मीदास जी से राज जी ने वादा किया कि आज के आठवें दिन तुम्हारे द्वारा शाकुमार की आत्मा की जानी होगी। परन्तु नहीं हुई। क्यों ?इसके पीछे क्या कारण है ?

ज. श्री जी के द्वारा स्नान किये हुये जल में लोट-पोट करने वाला तथा श्री जी की गादी बिछाने वाले सुन्दरसाथ का नाम लिखिये।

<u>प्रश्न क्रमांक २</u>. कोई भी पांच चौपाइयों का अर्थ लिखिये। -२०

क. साल नव सौ नब्बे मास नव, हुए रसूल को जब।
रूह अल्ला मिसल गाजियो, मोमिन उतरे तब।।

ख. मेरे गले में थी, सो मैं डालत हों गले तुम।
लेऊं हिसाब रोज इद के, जब होवे हक हुकम।।

ग. जान हुन कोड़ धड़, धड़ धड़ कोड़ मत्थन।
मत्था मत्था कोड़ मुंह, मुंह मुंह कोड़ जिभ्भन।

घ. हितरा मिड़ी तोहिजा, तांजे गुण गिनन।
भाल तोहिजो हिकड़ी, पुजी ते न सगन।।

ङ. एह खेल देखन की, इच्छा उपजाई दोय।
अक्षर और सैयन को, आदि अनादि फल कह्यो सोय।।

च. घर परवत उठो नहीं, तब हार कके बैठा ठौर।
जहां पंच वासना सब देव खड़े, तहां मन्त्र चले क्यों और।।
छ. सुन्दर वल्लभ बद्री, भले मिले कल मांहि।
चौदह विद्या निपुन हैं, पर एकौ जानत नाहिं।।
ज. हुकम के अमल में, ना कोई उतरे मोमिन।
हकीकत मारफत की, किन आगे करें रोसन।।

<u>प्रश्न क्रमांक ३.</u> नीचे दी गयी चौपाइयों में से किसी पांच का प्रसंग सहित भावार्थ लिखिये- २०

क. सतजुग केक बीज भूत, इनों बीच रहे विस्तार।
होवे सब में जाहिर, अखण्ड ए संसार।।
ख. वय किसोर अति सुन्दर, सरूप खेला जो वृन्दावन।
देख श्री देवचन्द्र जी ने कह्या, जैसी गवाही दई मन।।
ग. साथ सौंप्या आप श्री राज को, जाहिर में श्री महाराज।
अब हम फिरत धाम को, तुम रहो सावचेत आज।।
घ. कोई न अघाया इनमें, चचोड़त ठौर मुरदार।
श्री धाम धनी सुख छोड़ के, क्या हमेसा होओगे ख्वार।।
ङ. हजरतें हज इत करी, लेने को मक्का।
फते करी दज्जाल की, कूच करे दारूल बका।।
च. एक तो नीच जात को, सुनाइयो नहीं तारतम।
दूजे रांड स्त्रीय को, तीजे कहें हम तुम।।
छ. एक बेईमान औरत, और बाजे बजावन हार।
तीसरे पड़ने वाले इलम के, चौथे जादूगर होसियार।।
ज. मिलाप हुआ मेंहदी सों, तब कह्या महामति नाम।
अब मै हुई जाहिर, देखा वतन श्री धाम।।

<u>प्रश्न क्रमांक ४</u>- रिक्त स्थानों को भरिये- १०

क. जब भया बरस अग्यारमां.....।
.....।।
ख. ए भेष सिपाही का,.....।
.....।।
ग. .....।
....., परदारा चोरी न कब।।
घ. दई तुमको मैं कुलजम,.....।
.....।।
ङ. साथ समस्त के बीच में.....।
.....।।

<u>प्रश्न क्रमांक ५</u>- नीचे दी गई पंक्तियों का मिलान कीजिये- ५

क. छठी मन्या	सर्वव्यापक ब्रह्म
ख. न्याय दर्शन	उर्ध्वा

ग. सांख्य दर्शन माया, जीव, ईश्वर
घ. पांचवी मन्या प्रकृति, पुरूष
ङ. वेदान्द दर्शन परआत्म

<u>प्रश्न क्रमांक-६-</u> सही उत्तर का चुनाव कीजिये। ५

क. विरह के पांच प्रकरणों का अवतरण हुआ-
१. अब्बासी बंदर, २. उदयपुर, ३. मन्दसौर, ४. औरंगाबाद
ख. 'साथ जी ऐसी मै तुम्हारी गुन्हेगार' प्रकरण का अवतरण-
१. उज्जैन, २. आकोट, ३. दिल्ली, ४. पन्ना जी।
ग. 'कारी कामरी रे' प्रकरण का अवतरण-
१. धोराजी, २. मन्दसौर, ३. गोवर्धन पर्वत, ४. उदयपुर
घ. निजानन्द सम्प्रदाय को प्रकट करने वाले-
१. राज जी, २. श्यामा जी, ३. देवचन्द्र जी, ४. प्राणनाथ जी
ङ. गुसलखाने में चिपकाये गये रूक्के में लिखा था-
१. मैं तुम्हारा खाविन्द हूं , २. मैं तुम्हें जगाने के लिये आया हूं , ३. कयामत के निशान,
४. मैं तुम्हें संदेश देने के लिये बारह मोमिनों को तुम्हारे पास भेज रहा हूं।

<u>प्रश्न क्रमांक ७</u>. नीचे दी गयी पंक्तियों का पूर्ण उल्लेख कीजिये- २०

क. (रास से लेकर कयामतनामा तक) वाणी अवतरण का पूर्ण विवरण दीजिये।
ख. कयामत के सात निशान लिखिये।
ग. छोटी, बड़ी पत्री के मुख्य अंश लिखिये।
घ. पांच प्रकार की पैदाईस का विवरण दीजिये।
ङ. पच्चीस पक्ष का नाम लिखिये

<u>प्रश्न क्रमांक ८</u>- श्लोक, पद्य (साखी) तथा चौपाई लिखिये। १०

क. श्री जी ने चिन्तामणी से कबीर जी की जिस साखी पर चर्चा की, उसको लिखिये-

ख. (प्रश्न क्रमांक ४ के ङ की चौपाई के अतिरिक्त) श्री जी को अक्षरातीत कहकर सम्बोधित करने वाली दो चौपाईयां लिखिये

अथवा

क्षर अक्षर और उत्तम पुरूष को दर्शाने वाली गीता के दो श्लोक लिखिये।

सभी परीक्षार्थियों को शुभकामना

इति

प्रणामजी